

अब नियमित सेवाएं
मन्दसौर में उपलब्ध।हृदय रोगों के उपचार में अंतर्चक्ष
का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहताM.B.B.S, M.D. (Medicine) / I.D.M. (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
प्राप्तिदिन प्रातः 10:00 से सार्व 10:00 बजे तक

12, दशमुक्त कुंज रोड, सिविल हॉस्पिट के समाने, मन्दसौर (म.प्र.) 07422-490333

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक - आशुतोष नवाल

वर्ष 18

अंक 184

पृष्ठ 4

मन्दसौर

बुधवार 17 अप्रैल 2024

मूल्य 2 रुपया

बिहारी युवक ने फांसी लगाई, मौत
 नीमच, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नीमच सिली थाना क्षेत्र के भाटखेड़ा के समीप धोरेद्र साया के बड़ी में काम करने वाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक बिहार का रहने वाला था। जनकारी के अनुसार मृतक का नाम अनरजीत कुमार पिता महेन्द्रजादा उम्र 19 वर्ष निवासी शहीदुर था। अनरजीत वर्तमान में धोरेद्र साया फैक्ट्री भाटखेड़ा में रहकर मजदूरी का काम करता था। मंगलवार सुबह युवक ने आज्ञात कारण के चलते अपने ही कर्मसे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक ने आज काम से भी छुट्टी ले रखी थी और वह कमरे पर खींचा रखा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही सिटी पुलिस भौंके पर पहुंची और वह को फेंटे से रुका। अस्पताल लाया गया था। जहां पर डॉकर्ट ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही मूलतके शब्द के परिणामों की मौजूदाही में पोस्टमार्टम कर शब्द परिणामों को सुन्दर कर दिया गया। मामले में पुलिस ने मर्म कायम कर जांच शुरू कर दी है।

रामनवमी
के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएं।
जय श्री राम



श्री राम नवमी
पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

*** बधाईकर्ता ***

अनिल टांक

नरसिंहपुरा
मन्दसौर (म.प्र.)

प्रयोग: 9वीं और 11वीं में क्रेडिट सिटम

कॉलेज की तर्ज
पर नया सिटम

9वीं में पांच विषयों में
पास होना जरूरी...

मन्दसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस का नालौजों की तर्ज पर अब स्कूलों में भी नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अंतर्गत क्रेडिट सिस्टम से पढ़ाई की तैयारी की जा रही है। क्रैंक्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 में शुरू करने की तैयारी की है। सीबीएसई ने इस सिस्टम का हिस्सा बनाने के लिए स्कूलों को आमंत्रित किया है। इस संबंध में बोर्ड की ओर से सीबीएसई से संबद्ध सभी स्कूल प्रमुखों को दिशा-निर्देशों की जानकारी भेजी गई है। इसके सिस्टम के तहत 9वीं में साल भर में 210 घंटे की पढ़ाई करने पर छात्रों को 40-54 क्रेडिट अंक मिलेंगा। यह क्रेडिट सभी विषयों में परीक्षा पास करने पर ही मिलेंगे। इसके लिए साल भर में एक कक्षा में 75 फीसदी उपरिक्षित अनिवार्य होगी। पहले फेज के सफल होने के बाद में सभी कक्षाओं को पायलट प्रोजेक्ट के बाद में अन्य कक्षाओं को भी क्रेडिट सिस्टम लागू करने पर विचार किया जाएगा।

स्कूल स्तर पर असेसमेंट, प्रतिवर्ष 40-40 क्रेडिट...

सीबीएसई की नई व्यवस्था के तहत छठी, नवीं और 11वीं में असेसमेंट स्कूल स्तर पर होगा। उसमें छात्र प्रति वर्ष 40-40 क्रेडिट अंजित कर सकेंगे। इसके लिए यह अनिवार्य क्रिया गति है कि छात्र की उपस्थिति कम से कम 75 फीसदी होनी चाहिए। इसके लिए हर विषय का कैरिकुलम घंटों के विस्तार से निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्रति विषय के लिए 210 घंटे प्रति विषय के लिए अलॉट किए गए हैं। इस तरह से 1050 घंटे पांच विषयों के लिए अलॉट किए गए हैं। इसके अलावा 150 घंटे इंटरनल असेसमेंट के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसमें हर सज्जेक्ट के लिए 7-7 क्रेडिट होंगे। यह प्रत्युत्पाती विषय होगा। इसके लिए 2 यूक्र विषय का एक विषय के लिए 2 यूक्र विषय का एक विषय के लिए 2 क्रेडिट होंगे। इस तरह से सभी विषयों के 40 घंटे प्रति विषय के लिए अलॉट किए गए हैं।

निजी भूमि को विवादित बताकर अवैध वसूली करने वाला गिरफ्तार

ऑडियो रिकार्ड कर पुलिस में की शिकायत, जांच के बाद कार्रवाही

मन्दसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस निजी भूमि को विवादित बताकर किया गया है। इसके लिए 9वीं में साल भर में एक कक्षा में 75 फीसदी उपरिक्षित अनिवार्य होगी। पहले फेज के सफल होने के बाद में सभी कक्षाओं को पायलट प्रोजेक्ट के बाद में अन्य कक्षाओं को भी क्रेडिट सिस्टम लागू करने पर विचार किया जाएगा।

यानगद रशी की मांग कर रहा था। लेकिन, भूमि स्वामी ने ऑडियो को रिकार्ड कर रखा है। इसमें शिकायत की आड़ में अवैध वसूली करने वाले पुलिस ने कार्रवाही की गिरफ्तार करते हुए दुर्लभ आरोपी को गिरफ्तार कर दिया। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि इद्विष्म खां पिता छोटे खां उम्र 54 साल निवासी सीतामऊ में पुलिस को बताया कि वीते साल 2023 में मैने अपने पार्टनर नर जाफर अली बोहरा निवासी सीतामऊ के साथ मिलकर सूरत वाले शकील अहमद से ग्राम

कि इद्विष्म खां पिता छोटे खां उम्र 54 साल निवासी सीतामऊ में पुलिस को बताया कि वीते साल 2023 में मैने अपने पार्टनर नर जाफर अली बोहरा निवासी सीतामऊ के साथ मिलकर इन्द्रमल पिता रोडमल तेली द्वारा विवादित व..... शेष पेज 4 पर

संजीत मोजा में सर्वे क्र. 93 एवं 94 में क्रमशः 0.39 हेक्टेयर व 0.08 हेक्टेयर भगे, इसमें एक युवक को पुलिस ने पकड़ पुलि. 0.47 हेक्टेयर भूमि खरीदी थी। लेकिन उक्त भूमि को निवासी इन्द्रमल पिता रोडमल तेली द्वारा खेती व खदानों में तलाशती रही। दरअसल संदिग्ध कार का

चौपाटी पर एक कार व बाइक को टक्कर मारी और मंदसौर की ओर भागा। लेकिन, आगे थाने के सामने पिपलिया पुलिस की नाकाबंदी होने के कारण उसने कार को डिवाइडर से कूदापकड़ पुलि. नीमच की ओर टर्न ले लिया। लेकिन, सर्विस रोड पर किए आगे से पुलिस का वाहन दिखा तो कार में सवार दोनों व्यक्ति उतरकर भगे, इसमें एक युवक को पकड़ पुलिस ने पकड़ लिया, वहीं दुर्सापकड़ में नहीं आया। दर शम तक पुलिस उसे आपास के खेती व खदानों में तलाशती रही।

जानकारी के अनुसार मंगलवार दरअसल संदिग्ध कार का

चौपाटी पर एक कार व बाइक को टक्कर मारी और भाग निकला।

पुलिस ने एक संदिग्ध कार का पीछा किया। पुलिस की नाकाबंदी के बाद वाहन दिखा। इसमें से निवासी की पीछे निवासी के बाद वाहन दिखा। जानकारी के अनुसार कार में बैग पाड़े हुए थे। जिनकी तलाशी के दौरान डॉ. डीपा डाँचूरा बाहर हुआ है। सूत्रों की माने ताक कार से करीब ढेढ़ विंटेल छिलका मिला है। हालांकि, पुलिस बुधवार को खुलासा करेगी।

इनका कहना...

पुलिस ने संदिग्ध कार का पीछा किया। पुलिस की नाकाबंदी को देख कार में सवार दो आरोपी भाग निकले थे, इसमें से एक आरोपी को पकड़ पुलिस ने पकड़ लिया है। जबकि एक फरार आरोपी को तलाश रहे हैं। कार को मादक पदार्थ द्वारा पकड़ दिया गया है। जबकि एक फरार आरोपी को तलाश रहे हैं। कार को मादक पदार्थ द्वारा पकड़ दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को

नारायणगढ़ पुलिस पीछा कर रही थी।

राम
नवमी

श्री राम नवमी
पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं



*** बधाईकर्ता ***

गोपाल पड़ियार

नरसिंहपुरा मन्दसौर



पंकज पड़ियार

नरसिंहपुरा मन्दसौर



श्री राम नवमी पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

***** बधाईकर्ता *****

लक्ष्मीनारायण टांक
कन्हैयालाल टांक (कानौजी
पटेल) मन्दसौर
सूरजमल टांक
कुमावत (टांक)
ओंकारलाल
पियूष टांक
आयुष टांक
मन्दसौर



श्री राम नवमी पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

*****-विनीत-*****
* शुभम जाकड़ा (आर्किटेक्ट),
* राजू राठौर, * आतिश राठौर
* राकेश पेटर एवं मित्र मंडल मन्दसौर

श्रुभम जाकड़ा
(आर्किटेक्ट)



विचार-मुँहन



अब एक बार फिर जासूसी का जित्र बोतल से बाहर निकल आया लगता है। दुनिया के सबसे सुरक्षित मोबाइल फोन और कंप्यूटर बनाने का दावा करने वाली कंपनी एप्पल ने अपने उत्पाद का उपयोग करने वालों को संदेश भेजा है कि उनके फोन में पेगासस जासूसी साप्टवेयर के जरिए सेंधभारी की जा सकती है, इसलिए साखधान रहें। यह संदेश उसने मेल के जरिए भारत सहित इक्यानवे देशों के लोगों को भेजा है। करीब छह महीने पहले भी उसने भारत के कुछ लोगों को चेतावनी भेजी थी कि उनका फोन पेगासस के निशाने पर हो सकता है। उनमें ज्यादातर लोग विपक्षी दलों के नेता थे, इसलिए इसे लेकर काफी हंगामा हुआ

था। मगर सरकार के दबाव में तब एप्पल ने अपनी उस चेतावनी को बहुत धूधला कर दिया था। इस बार उसने बहुत गंभीरता और भरोसे के साथ अपने फोन को 'मर्सीनरी स्पाइवेयर' के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि उसने उन लोगों के नाम उजागर नहीं किए हैं, जिनके फोन में इस जासूसी स्पाफ्टवेयर के जरिए सेंधमारी के तथ्य उसे हाथ लगे हैं। मगर कंपनी ने माना है कि इस तरह के हमले दुनिया भर हो रहे हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब एप्पल के अत्यंत सुरक्षित माने जाने वाले फोन में सेंधमारी की जा रही है, तो बाकी एंड्रॉयड से चलने वाले फोनों की सुरक्षा का

ज्याहा हाल होगा। चूंकि एप्पल का सारा कारोबार इसी विश्वास पर टिका हुआ है कि उसके फोन और कंप्यूटर में कोई संधमारी नहीं कर सकता, उसके लिए भी वह बड़ी चुनौती बन चुका है। एप्पल ने माना है कि यह घुसपैठ किसी सामान्य साइबर संधमार के वश की बात नहीं है, जब्तक जिस साफ्टवेयर के जरिए यह हमला किया जा रहा है, उस पर लाखों डॉलर का खर्च आता है और उसे लेना सबके बूते की बात नहीं। एप्पल इस साफ्टवेयर से पार पाने का कोई इतनाम कर पाएगी या नहीं, यह तो बक्त बताएगा, मगर दुनिया की तमाम सरकारें अब फिर से लोगों की निजता में मेंध लगाने को

लेकर निशाने पर आ जाएंगी। करीब तीन साल पहले भारत में जब पेगासस के इस्तेमाल की बात सामने आई थी, तब खासा बवाल मचा था। सर्वोच्च न्यायालय में कई अपीलें दावर की गई थीं। यह सापटवेयर इजराइल की सरकार बेचती है और उसका कहना है कि वह इसे किसी स्वतंत्र व्यक्ति या कंपनी को नहीं बेचती, बल्कि सरकारों को देती है। इसलिए भी यह मामला ज्यादा गंभीर बन गया था। साइबर सेंधमारी से लेकर डीपफेक्ट आदि पहले ही भारत जैसे देश में एक गंभीर समस्या के रूप में सामने है, जिससे पार पाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे में अगर पेगासस जैसे सापटवेयर के जरिए जासूसी और सेंधमारी का मामला सिद्ध होता है, तो यह ज्यादा गंभीर बात होगी। यह सापटवेयर दरअसल एक प्रकार का गुप्त भेदिया है, जो शाहक की नजरों से ओझाल रह कर उसके फोन के जरिए उसकी हर गतिविधि पर नजर रखता है। इस सापटवेयर को चुपके से किसी के भी फोन में डाला जा सकता है और फिर उस फोन के कैमरे, गाइक बैगेरह को अपने ढंग से संचालित किया जा सकता है। एप्पल के दालों को दरकिनार करना मुश्किल है। इस तरह सेंधमारी हो रही है, तो यह लोगों की निजता पर बढ़ा आघात है। इस पर सरकार को गंभीरता से पहल करनी चाहिए।

जासूसी साप्टवेयर के जरिए फोन में सेंधमारी...

पश्चिमी यूपी में ‘नल’ के पानी से ‘कमल’ की सिंचाई

आनिला सिंह

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट नेता जयंत चौधरी ने कहा है कि उनका चुनाव चिन्ह नल है और नल से यानी निकलेगा तो उससे कमल की सिंचाई होगी। सांकेतिक रूप से वो यह कहना चाह रहे हैं कि गलोद और भाजपा गठबंधन से पश्चिमी यूपी में उनकी जीत को कोई रोक नहीं सकता। जयंत चौधरी का ऐसा कहना कितना सही साचित होगा वह तो 4 जून को पता चलेगा लेकिन पश्चिमी यूपी में फिलहाल भाजपा के लिए समीकरण उलझते हुए दिख रहे हैं। अपनी पुस्ता तैयारियों, जबर्दस्त ऐलियों के बावजूद इस बार पश्चिमी यूपी में भाजपा के लिए हालात 2019 से ज्यादा मुश्किल है। भाजपा को पिछले चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन ने सबसे ज्यादा झटका इसी क्षेत्र में दिया था। पिछली बार दोनों गठबंधनों में सीधा मुकाबला था, लेकिन इस बार कई सीटों पर मुकाबला तिकोणीय हो गया है। ऐसे में यह अनुमान लगाना कि ऊट किस करवट भीतेरा, मुश्किल हो गया है। दरअसल, 2019 में पश्चिमी यूपी के स्वाहारनपुर, मेरठ एवं मुरादाबाद मंडल की 14 सीटों में 6 पर भाजपा बोले हार का सामना करना पड़ा था, जबकि ज्व थेट्र की आगरा, अलीगढ़ और बोरली मंडल की 13 सीटों में केवल मैनपुरी में हारी थी। सपा-बसपा-रालोद का गठबंधन नहीं होने के बावजूद भाजपा को पश्चिमी यूपी में ज़ख्मा पड़ रहा है तो उसका सौधा कारण शीर्ष नेतृत्व का अति



आत्मविश्वास तथा जाट बोटरों पर सम्बोधिक विश्वास दिखाना है। पश्चिमी यूपी में 2022 के विधानसभा चुनाव की तरह एक बार फिर जाट बनाम अन्य का समीकरण प्रभावी हो गया है। पश्चिम यूपी के मेरठ, सहारनपुर तथा मुरादाबाद मंडल के मुजफ्फरनगर, कैराना, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बुलंदशहर सीट पर स्थानीय सांसदों का जबदेस्त विरोध हो रहा था। जनता से दूरी, जातीय एवं धार्मों की सज़्जनीति के चलते मतदाता अपने सांसदों से असंतुष्ट था। मुजफ्फरनगर, गौतमबुद्धनगर एवं कैराना में नाराजगी सचमुच जायदा थी। भाजपा समर्थक बोटर मानकर चल रहे थे कि इन सीटों पर प्रत्याशियों को बदला जायेगा, लेकिन भाजपा नेतृत्व ने मेरठ छोड़कर सभी सीटों पर पुराने चेहरों को ही रिपोर्ट कर दिया। मतदाताओं के एक बड़े वर्ग में इससे असंतोष है। हालांकि,

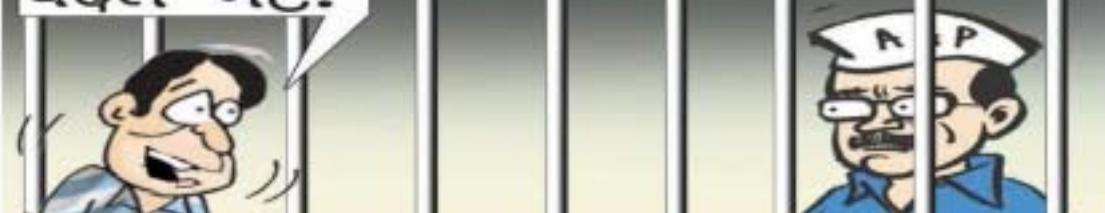
स्थानीय मुद्रों में मगन प्रवृत्ति

साथ ही विधानसभा के लिए भी बोट डाले जाएं। अहररात, पूर्वोत्तर के राज्यों में राशीय मुद्रे प्रभावी तो हैं, लेकिन उससे ज्यादा स्थानीय मुद्रे मतदाताओं को लुभाते दिख रहे हैं। यह निर्विवाद रूप से नामरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर ज्यादा चर्चा हो रही है। इसके खिलाफ पूर्वोत्तर के तमाम राज्यों में पहले काफी विरोध-प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन सच यह भी है कि जो नेता उस समय अंदोलन की अगुवाई करते थे, उनमें से कई अब सत्ताधारी दल के साथ गठजोड़ बना चुके हैं। इतना ही नहीं, टिप्पा भोथा जैसी पाटी खुलकर सीएए के खिलाफ थी, लेकिन अब एनडीए का हिस्सा बन चुकी है। एनडीए की सहयोगी होने के बावजूद, असम गण परिषद और नेशनल पीपुल्स पाटी भी सीएए के खिलाफ मुख्य थीं, लेकिन अब कुछ हद तक वह मामला शिथिल

हैं, यह कानून स्थानीय जनसांख्यिकीय संतुलन को बिंगाड़ सकता है। मणिपुर हिंसा की ताप अब तक बहसुरू की जा रही है। अन्यतर जारी अस्थिरता ने स्थानीय भैड़ती समुदाय को भी खासा नाराज किया है और वे खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर करने लगे हैं। बाहरी मणिपुर हिंसा से कशी ज्वादा प्रभावित हुआ है। यहां आपूर्ति शुरूखला को बहाल करने की चुनौती बनी हुई है। अमन-चैन लाने के साथ-साथ म्यांमार से आते हुए शरणार्थियों का समाधान दृढ़ना भी यहां का बड़ा मुद्दा है। उत्तररूप, तमेगलोंग जैसे पहाड़ी इलाके भी इस अस्थिरता से प्रभावित हुए हैं। यहां के लोग कुकी समस्या का समाधान भी चाह रहे हैं। इस हिस्सा का असर मिजोरम पर भी पड़ा है। यहां बेशक एक ही सीट है, लेकिन मिजो नेशनल फॉट का मिजाज एनडीए से मंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट कर दिया था विम्यांमार से लागी सीमा की बाड़ेबंदी की जाएगी तदेखनीय है कि भारत और म्यांमार अपनी 1,642 किलोमीटर सीमा साझा करते हैं, दोनों तरफ वे लोगों के बीच पारिवारिक प्रिंशे को देखते हुए निर्बाध आवागमन की व्यवस्था की गई थी, जिसके तहत जुरु में 40 किलोमीटर तक आने-जाने का व्यवस्था की गई, जिसे 2004 में घटाकर 14 किलोमीटर कर दिया गया। म्यांमार की यह सीमा मिजोरम (510 किलोमीटर) के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश (520 किलोमीटर), नगालैं (215 किलोमीटर), मणिपुर (398 किलोमीटर) से भी लगती है। अरुणाचल प्रदेश में स्थानीयता बनाम बाहरी जैसे मसले भी चर्चा में हैं। इसी कारण यहां अदिवासी व ईस्टर्न एक-दूसरे के खिलाफ खड़े दिखते हैं। बड़े-बड़े वाखों की भी यहां चर्चा हो रही है।

दावा: संजय बनना चाहते हैं दिल्ली का सीएम बनना

व्यवस्था बदलने आए थे
कुर्झी के लोभ में खुद ही
बदल गए! ■ ■ ■



आज तक आपनी कहानी

आगे प
मेष ये इत्यादि-प्राणीमें समान दृश्यात् बन-रिहाई की वृद्धि होती औ सम्भवने का लक्ष भी देखा। यह कला की विद्या ही है। जबकि कोई विद्या ही नहीं।
बुधम यहाँ विद्या के एक अंग ही बनती है। बुधमें एक विद्या है जो विद्या की विद्या है। विद्या की विद्या है।
वृषभ यहाँ विद्या के एक अंग ही बनती है। बुधमें एक विद्या है जो विद्या की विद्या है। विद्या की विद्या है।
क्षुग यहाँ विद्या के एक अंग ही बनती है। बुधमें एक विद्या है जो विद्या की विद्या है। विद्या की विद्या है।

कल्पना दम्भ - यह विशेष मासक जैसा सब्जी है। इसे संतोष में साधा जाता है। इसका उपयोग करने से बढ़ावा आयता है। इसके लाभ निम्नलिखित हैं-
 १-दम्भ वज्रा पार्कों की मध्ये में वर्षा-मुखी-तंत्री वज्रा वज्राओं की विशेष लाली से कामया करता है।
 २-दम्भ वज्रा से वज्राता है। युद्धक ३-५-६

तारशफल
मिथुन विशेष : प्रसूति प्रक्रिया से बाहर
 निकलने वाली तारशफल होती। इसमें मृत तार
 वन का भूमि दीवाज़, जहाँ यह कम
 अल्प उच्च देखते। निम्न-देह में विशेष
 गति। उत्तर-पश्चिम में विशेष गति। विशेष गति वेद
 और उत्तर-पश्चिम में विशेष गति। कर्ण
 विशेष गति-कर्मणी तुष्टुक्षं-१-५-६

कृष्ण वर्ष - उत्तरार्ध मध्य दम्पत्ति वर्ष
जहाँ चारों ओर दिश सभी कर देती है। प्र
ति के बाल सुन-सन्ती हैं जिनमें
वर्ष देखने की सुनिश्चित वस्त्र दिल दाल
देता अपना वह वर्षाकालीन दिवाहो। मध्य-विद्युत
वर्ष मध्ये की विशिष्ट वर्ष है। यह वर्षीय कार्य
दिवाहो। २-५-६

अंकों वाले

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5 | 6 | 4 | 7 |
| 9 | 5 | 3 | 2 |

| सुडोकू पहेली | | | | क्रमांक- 520 | | | |
|--------------|---|---|---|--------------|---|---|---|
| | 9 | 6 | | 4 | | | 3 |
| | 5 | 7 | 8 | 2 | | | |
| 1 | | | 9 | | | 5 | |
| | | 9 | | 1 | | | 8 |
| 5 | | | | | | | 2 |
| 4 | | | | 9 | | 6 | |
| | | 4 | | | 3 | | 1 |
| | | | | 7 | 9 | 2 | 6 |

नियम : प्रत्येक पंसिक में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमावार हीना आवश्यक नहीं है। आँखों व खड़ी पंसिक में एवं 3×3 के बार्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मीजूद

| | | | | | | | | |
|-------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|
| સુલોક્ય પહેલી ક્ર. 5206 | | | | | | | | |
| 2 | 3 | 5 | 6 | 4 | 7 | 9 | 8 | 1 |
| 1 | 8 | 9 | 5 | 3 | 2 | 4 | 7 | 6 |
| 7 | 4 | 6 | 8 | 9 | 1 | 2 | 5 | 3 |
| 4 | 5 | 1 | 9 | 7 | 8 | 3 | 6 | 2 |
| 3 | 6 | 8 | 1 | 2 | 5 | 7 | 9 | 4 |
| 9 | 7 | 2 | 3 | 6 | 4 | 5 | 1 | 8 |
| 6 | 9 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 2 | 5 |
| 8 | 1 | 3 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 7 |

| | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|---|----|
| 1 | 2 | 3 | | | 4 | | 5 |
| 6 | | | | | 7 | 8 | |
| | | | 9 | 10 | | | |
| 11 | 12 | | | | | | |
| 13 | | | | | 14 | | 15 |
| | | | 16 | 17 | | | |
| 18 | | 19 | | 20 | | | |

| | | | |
|---|---|--|--|
| 21 | 22 | | |
| संकेतः वायर में दाएँ | 5. अस्तित्व प्रदान करना, निरापेक्ष करना (३) | | |
| १. उत्तमविजय द्वारा किस्म हांडबुरी में प्राप्ति को इस अधिकारी से १५ अप्रूपा १९११ वर्ष तक लिया गया (६) | ६. गुण-कोष वर्ण नियन्त्रण वर्तने के लिए, वस्तु की परीक्षा (३) | | |
| ६. देश को बहु जै बहु जला है (३) | ७. प्रपुरुषों की पुरुषों को संवर्धनीय लक्षण की पटाकी पैदा (४) | | |
| ७. लद्दाख-जूमल बहु-भाषा लोकान्मा (३) | १०. देश, दासी विभाग, वर्तितरात (२) | | |
| ९. चौथी विविध कालक्रम (५) | १२. अमाला में स्वाक्षरता, ड्रेम्बोर वर्षे प्राप्तिकृद्ध उपचार (३) | | |
| ११. वर्षान्त मिर्च (५) | १४. वर्षाकाल, निरापेक्ष, गुणात्मा (कई) (४) | | |
| १२. जल, अमाला, यात्रा सभाने वाली लक्षि (२) | १५. अधिकारी अस्तित्व के दासी पुरुषों का वर्ष प्रसंगत इस देश की साक्षरती वालीकालन थी (३) | | |
| १६. भाषा की पालन-खिलाओं विविधान्तरों की (२००६) (५) | १७. वर्षाकाल वाहु या लोक जलवा (३) | | |
| १९. वह एक नदी है जो उसी इलावे में पूर्व से वाहा है (१) | १८. पालन-खिलाओं, सूखी वर्षे पालन-खिलाओं वाली अनुवर्गी (२) | | |
| २०. राजकालीन वाहा, गण (२) | | | |
| २१. विश्व की एकामात्र विश्व जो एक वाकीव भूमिका वाली विश्व भी विश्व नियमी, नियंत्रकी अधिकारी सुनील दश थे (२) | | | |
| २२. प्राप्तिकृद्ध वर्तने से वाहा हुआ जल, प्राप्तिकृद्ध (५) | | | |
| उत्तर से भीष्य | | | |
| १. राजकालीन वाहा जलवा में से एक, पुलानामुखन नदीविध द्वारा सुख एक सामान्य-पुरी का नाम है (३) | | | |
| २. अम वाले लोप, अधिकारी (२) | | | |
| ३. स्वीकृत्या, पूर्व, वास्तु (२) | | | |

